Drishti IAS

दृष्टि The Vision

पैकेज-III

IAS मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2024

इतिहास

(वैकल्पिक विषय)

हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों माध्यम में

दृष्टि के छात्रों के लिये विशेष छूट

आरंभ 30 जून, 2024

कुल 8 संपूर्ण पाठ्यक्रम टेस्ट्स

ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में

शुल्क : ₹10,000/-

मुखर्जी नगर	करोल बाग	प्रयागराज	जयपुर	लखनऊ	इंदौर
वर्धमान कॉम्प्लेक्स, नेहरू विहार, निकट मुखर्जी नगर, दिल्ली	21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली	13/15, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज	प्लॉट नंबर-45 व 45-ए हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर	47/ सीसी, बर्लिंगटन मॉल, विधानसभा मार्ग, लालबाग, लखनऊ, यू.पी	12, मेन ए.बी. रोड, भँवर कुआँ, इंदौर, मध्य प्रदेश

Contacts: 8010440440, 87501 87501 E-mail : testseries@groupdrishti.in Website : www.drishtiias.com

विशेषताएँ

- प्रश्न की भाषा-शैली एवं प्रकृति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों के अनुरूप तथा गहरी समझ और जानकारी पर आधारित।
- प्रश्न में पूछे गए टॉपिक संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले महत्त्वपूर्ण तथा प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मुख्य परीक्षा में सहायक होंगे।
- अंर्तविषयात्मक एवं बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ मॉडल उत्तरों का सरल एवं प्रभावी प्रस्तुतिकरण।
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए उत्तर लेखन में अपेक्षित चित्रों, उदाहरणों, ग्राफिक निरूपण, पाई चार्ट आदि के माध्यम से बेहतर उत्तर तैयार किये जाने पर विशेष ध्यान।
- मॉडल उत्तर लेखन के दौरान केवल स्तरीय मानक पुस्तकों तथा स्रोतों का उपयोग।
- समुचित तैयारी के लिये प्रत्येक टेस्ट के मध्य आवश्यक अंतराल।
- संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित शब्द सीमा में मॉडल उत्तरों का निर्माण।

टेस्ट कोड	दिनांक	पाठ्यक्रम
टेस्ट-9 OPT-H-2409	30 जून, 2024 (रविवार)	प्रथम प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-10 OPT-H-2410	07 जुलाई, 2024 (रविवार)	द्वितीय प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-11 OPT-H-2411	14 जुलाई, 2024 (रविवार)	प्रथम प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-12 OPT-H-2412	21 जुलाई, 2024 (रविवार)	द्वितीय प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-13 OPT-H-2413	04 अगस्त, 2024 (रविवार)	प्रथम प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-14 OPT-H-2414		द्वितीय प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-15 OPT-H-2415	18 अगस्त, 2024 (रविवार)	प्रथम प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-16 OPT-H-2416		द्वितीय प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम

**पाठ्यक्रम के विस्तृत विवरण के लिये, कृपया बाद के पृष्ठों को देखें।*

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501

यू.पी.एस.सी. (2023) तथा दृष्टि इतिहास (वैकल्पिक विषय) टेस्ट सीरीज़ तुलनात्मक विश्लेषण

प्रश्न पत्र-1

टेस्ट सीरीज़ कोड	प्रश्न कोड	दृष्टि आई.ए.एस. टेस्ट सीरीज़ प्रश्न	यू.पी.एस.सी. प्रश्न क्रमांक	यू.पी.एस.सी. प्रश्न	अंक
2305 2305 2305 2311	6(c) 1(b) 3(a) 6(a)	● अकबर की राजपूत नीति ने न केवल राजपूतों और मुगलों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष को हल किया, बल्कि अकबर को अपने साम्राज्य को मज़बूत करने में भी मदद की। परीक्षण कीजिये। ● सुलह-ए-कुल की नीति अकबर की सामाजिक परिपक्वता की उपज थी। परीक्षण कीजिये। ● दीन-ए-इलाही अकबर के राष्ट्रीय आदर्शवाद की सर्वोच्च अभिव्यक्ति थी। चर्चा कीजिये। ● अकबर की विदेश नीति पर चर्चा कीजिये।	8(c)	● मुगल वास्तुकला की प्रकृति समन्वयवादी थी। टिप्पणी कीजिए।	15
2301	4(b)	● हड़प्पा सभ्यता में पाए जाने वाले धार्मिक तत्त्वों का विवरण दीजिये।	2(b)	● सिंधु-सरस्वती सांस्कृतिक क्षेत्र में एकरूपता और विविधता दोनों ही प्रदर्शित होती है। विवेचना कीजिए।	15
2311	3(a)	● वैदिक साहित्य के आलोक में उत्तर भारतीय समाज के विकास का विवरण दीजिये।	2(c)	● भारतीय इतिहास में आर्यों की समस्या को निर्धारित करने में भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन, पुरातात्विक स्रोत और वृहद् वैदिक साहित्य कहाँ तक सहायक हैं? विवेचना कीजिए।	15
2309	4(c)	● "संगम साहित्य लोगों के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन के आंतरिक और बाह्य दोनों पहलुओं का आविर्भाव था।" टिप्पणी कीजिये।	3(a)	● दक्षिण भारत के प्राचीन इतिहास की सामाजिक और सांस्कृतिक परम्पराओं का ज्ञान कराने में संगम साहित्य कहाँ तक सहायक है?	20
2301 2301	7(c) 8(c)	● अर्थशास्त्र के आलोक में मौर्य प्रशासन की प्रकृति की चर्चा कीजिये। ● अशोक के धम्म ने मौर्य साम्राज्य की स्थिरता को व्यापक रूप से प्रभावित किया। परीक्षण कीजिये।	3(b)	● मौर्य युग में स्थापित साम्राज्यवादी विचारधारा की रूपरेखा का विश्लेषण कीजिए।	15

2302 **2305** **2305**	**4(a)** **1(c)** **4(a)**	• स्थानीय साहित्य को लोकप्रिय बनाते हुए, भक्ति आंदोलन ने संस्कृत के अभिजात्यवाद पर चोट की। विश्लेषण कीजिये। • कबीर और नानक ने निर्गुण भक्ति को लोकप्रिय बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। चर्चा कीजिये। • भक्ति संतों ने समकालीन उत्तर भारतीय समाज को किस हद तक और किस तरह से प्रभावित किया?	4(a)	• भक्ति आंदोलन के सिद्धांतों, प्रसार और प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।	20
2311	**5(a)**	• चोल मंदिरों की प्रमुख विशेषताओं को उल्लिखित कीजिये।	4(b)	• दक्षिण भारत के आरंभिक मंदिर स्थापत्य शैली की तुलना में चोलों का मंदिर-निर्माण किस हद तक और भी अधिक परिष्कृत और भव्य दिखाई देता है?	15
2306	**4(c)**	• प्रारंभिक भारत में तंत्रवाद के उद्‌भव और विशेषताओं पर चर्चा कीजिये।	4(c)	• क्या यह कहना उचित है कि भारत में धार्मिक मतों के विस्तार की दृष्टि से गुप्तोत्तर काल महत्त्वपूर्ण था?	15
2302 **2306**	**1(b)** **8(c)**	• प्रारंभिक मध्यकालीन दक्षिण भारत में नगरीय क्षरण के लिये भारतीय साहित्यिक साक्ष्य मज़बूत नहीं हैं। टिप्पणी कीजिये। • उन कारणों की पहचान करें जिनके कारण प्राचीन भारत में सामंतवाद का उदय हुआ। भारत की सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था पर सामंतवाद के प्रभावों का विश्लेषण कीजिये।	5(a)	• भारतीय सामंतवाद के विभिन्न समर्थक तत्त्वों की विवेचना कीजिए।	10
2311 **2306**	**7(a)** **6(b)**	• भारत में इस्लाम के प्रसार में सूफी लोक साहित्य की भूमिका पर चर्चा कीजिये। • आचार्यों ने भक्ति के वैचारिक आधार के विकास में किस प्रकार योगदान दिया?	5(c)	• इतिहास के प्रमुख साक्ष्य के रूप में सूफी साहित्य के महत्त्व का आकलन कीजिए।	10
2302 **2309**	**1(e)** **8(a)**	• अलाउद्दीन की बाज़ार नियमन नीति की संक्षेप में विवेचना कीजिये। • समकालीन अर्थव्यवस्था और समाज पर अलाउद्दीन खिलजी के बाज़ार सुधार के प्रभाव का आकलन कीजिये।	5(e)	• अलाउद्दीन खिलजी की कृषि नीति का उद्देश्य मध्यस्थ शक्तियों की सत्ता को नियंत्रित करना था। अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए उसके द्वारा अपनाए गए उपायों का परीक्षण कीजिए।	10
2315 **2302**	**5(d)** **4(c)**	• बलबन की 'रक्त और लौह' नीति पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। • बलबन का राजत्व सिद्धांत अलाउद्दीन खिलजी से भिन्न था। विवेचना कीजिये।	6(b)	• बलबन ने दिल्ली सल्तनत के लिए 'विस्तारित करने' के स्थान पर 'समेकित करने' की नीति क्यों चुनी थी?	15

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501

2306 2315	7(b) 5(c)	• गुप्त काल के दौरान भूमि अनुदान से संबंधित वैचारिक मतभेदों की चर्चा कीजिये। • जहाँगीर के शासनकाल के दौरान मुगल चित्रकला के विकास का वर्णन कीजिये।	6(c)	• मुगल लघु चित्रकला में यूरोपीय चित्रकला की किन विशेषताओं का समावेश हुआ था?	15
2315	8(a)	• मराठों की विस्तारवादी नीति का वर्णन कीजिये।	7(a)	• मुगल साम्राज्य की अखण्डता के लिए मराठा एक महत्त्वपूर्ण खतरे की तरह खड़े थे। विवेचना कीजिए।	20
2316	1(d)	• "हैदर का जन्म एक साम्राज्य बनाने के लिये हुआ था, टीपू का जन्म एक साम्राज्य को खोने के लिये हुआ था।" विश्लेषण कीजिये।	7(b)	• 'हैदर अली साम्राज्य का निर्माण करने के लिए पैदा हुआ था और टीपू सुल्तान उसे खोने के लिए।' टिप्पणी कीजिए।	15
2305	5(d)	• मुगल वास्तुकला ने मुगलों की भव्यता के साथ-साथ इनके पतन को भी देखा। चर्चा कीजिये।	8(a)	• मुगल वास्तुकला की प्रकृति समन्वयवादी थी। टिप्पणी कीजिए।	20
2305	2(c)	• 18वीं शताब्दी अराजकता और पतन की शताब्दी थी। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।	8(b)	• अठारहवीं शताब्दी में भारत की अर्थव्यवस्था मंद अर्थव्यवस्था नहीं थी। विवेचना कीजिए।	15

प्रश्न पत्र-2

टेस्ट सीरीज़ कोड	प्रश्न कोड	दृष्टि आई.ए.एस. टेस्ट सीरीज़ प्रश्न	यू.पी.एस.सी. प्रश्न क्रमांक	यू.पी.एस.सी. प्रश्न	अंक
2311 2010	8(b) 2(a)	• विजयनगर साम्राज्य के प्रशासन की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। • "भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान होने वाला प्रथम अफगान युद्ध इतिहास में की गई सबसे बड़ी भूल थी।"	1(a)	• "उपनिवेशवाद का व्यापारीकरण पर अपना ही एक विकृत तर्क था, क्योंकि विश्लेषण करने पर यह ज्ञात होता है कि व्यापारीकरण प्रायः एक कृत्रिम और ज़बरन प्रक्रिया रही है।"	10
2314	4(b)	• राष्ट्रवादी चरण के दौरान किसान आंदोलनों की प्रकृति का विश्लेषण कीजिये और इसकी कमियों पर प्रकाश डालिये।	1(b)	• 1857 के उपरांत, "कृषक आंदोलनों में किसान एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरते हैं।"	10
2316	3(a)	• खिलाफत और असहयोग आंदोलन के बीच गठबंधन की परिस्थितियों की व्याख्या कीजिये।	1(c)	• "भारतीय जनमानस की जागृत राजनीतिक चेतना तथा अंग्रेज़ों के असम्मानजनक और कायरतापूर्ण अपमान ने असहयोग आंदोलन को जन्म दिया।"	10
2312	4(c)	• सविनय अवज्ञा आंदोलन के उत्तरदायी कारकों का विश्लेषण कीजिये।	1(d)	• जब गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की तब उन्हें "बेसब्री से एक प्रभावी सूत्र की तलाश थी।"	10

2303 **2314** **2303**	**3(a)** **4(a)** **5(a)**	• दक्षिण भारत में राजनीतिक उथल-पुथल कर्नाटक युद्धों के लिये काफी हद तक ज़िम्मेदार थी। परीक्षण कीजिये। • उन परिस्थितियों का परीक्षण कीजिये जिनके कारण तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध हुआ। • सालबाई की संधि	2(a)	• कर्नाटक युद्धों, आंग्ल-मैसूर युद्धों और आंग्ल-मराठा युद्धों ने फ्रांस को दक्षिण भारत में वर्चस्व की प्रतिद्वंद्विता से वस्तुतः बाहर कर दिया। चर्चा कीजिए।	20
2304	**4(c)**	• यूरोप के धार्मिक सुधार आंदोलन में धार्मिक-राजनीतिक कारकों के अलावा आर्थिक कारकों ने क्या भूमिका निभाई?	2(b)	• भारतीय परिषद विधेयक, 1861 को प्रस्तुत करते हुए अंग्रेज़ों का मत था कि भारत के लिए एकमात्र उपयुक्त सरकार 'घर से नियंत्रित तानाशाही थी'। टिप्पणी कीजिए।	20
2303	**6(a)**	• भारत में विऔद्योगीकरण पर हालिया साक्ष्य, दर्शाए मौजूद साक्ष्यों की तुलना में अधिक जटिल तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। विश्लेषण कीजिये।	3(a)	• क्या आप सहमत हैं कि 'परंपरागत भारतीय कारीगरों के उत्पादन में गिरावट एक दुखद, परंतु अवश्यंभावी तथ्य था' ? विवेचना कीजिए।	10
2303 **2307** **2310** **2314**	**5(e)** **5(d)** **4(a)** **4(b)**	• संथाल विद्रोह ने विस्थापित और शोषित किसानों और आदिवासियों के संघर्ष को चिह्नित किया। • उपनिवेशवाद ने आदिवासियों के जंगल के साथ संबंध को बदल दिया। टिप्पणी कीजिये। • एका आंदोलन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। • राष्ट्रवादी चरण के दौरान किसान आंदोलनों की प्रकृति का विश्लेषण कीजिये और इसकी कमियों पर प्रकाश डालिये।	3(b)	• भारत में आदिवासी और कृषक विद्रोहों का ऐतिहासिक महत्त्व इस तथ्य में निहित है कि इन्होंने ब्रिटिश शासन का विरोध करने की एक सशक्त और महत्त्वपूर्ण परंपरा स्थापित की' विवेचना कीजिए।	20
2303 **2303**	**3(b)** **7(b)**	• राष्ट्रवादी संघर्ष में प्रेस के प्रभाव की प्रमुख भूमिका रही थी। विश्लेषण कीजिये। • ब्रिटिश शिक्षा नीति ने भारतीय समाज में भेदभाव का समर्थन और अनुमोदन किया। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।	3(c)	• 'राजनीतिक प्रचार तथा राष्ट्रवादी विचारधारा के निर्माण और प्रसार शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु प्रेस एक प्रमुख माध्यम बना। टिप्पणी कीजिए।	10
2310 **2303**	**3(b)** **2(a)**	• 19वीं शताब्दी के दौरान भारत में सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन की प्रकृति का विश्लेषण कीजिये। • राजा राममोहन राय द्वारा प्रारंभ किये गए सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलनों की चर्चा कीजिये।	4(a)	• सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों का सर्वस्वीकृत दृष्टिकोण केवल एक 'शुद्ध दार्शनिक चिंतन नहीं था; इसने तत्कालीन राजनीतिक और सामाजिक नजरिए को अत्यधिक प्रभावित किया'। परीक्षण कीजिए।	20
2307 **2307**	**2(b)** **3(a)**	• कॉन्ग्रेस आंदोलन में वामपंथ के उदय और विकास का विवरण दीजिये। • कॉन्ग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के नेतृत्त्व की प्रकृति और कार्यक्रमों पर चर्चा कीजिये।	4(b)	• कॉंग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का मन्तव्य काँग्रेस से अलग होना नहीं था, अपितु 'इसका उद्देश्य काँग्रेस और राष्ट्रीय आंदोलन को समाजवादी दिशा प्रदान करना था'। विश्लेषण कीजिए।	20

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501

2314	**5(a)**	● "अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम ने यूरोप के साथ-साथ अमेरिका को भी रूपांतरित कर दिया।"	5(a)	● "अमेरिकी स्वतंत्रता का युद्ध अंततोगत्वा 1783 में तब समाप्त हुआ जब ब्रिटेन ने संयुक्त राज्य अमेरिका की स्वतंत्रता को स्वीकृति प्रदान की।"	10
2314	**5(d)**	● "ग्रेट ब्रिटेन में चार्टिस्ट आंदोलन की जड़ें आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से आर्थिक थीं।"	5(b)	● "चार्टिस्ट आंदोलन ने न केवल मध्य वर्ग की कुछ माँगों को पूरा किया, अपितु इसके प्रभावों को श्रमिक वर्ग और उपनिवेशों में भी महसूस किया गया।"	10
2304	**2(b)**	● 1848 की फ्राँसीसी क्रांति ने यूरोप के शेष हिस्सों में व्याप्त क्रांतियों की तुलना एक अनूठा बदलाव प्रस्तुत किया। विवेचना कीजिये।	5(c)	● "1848 के आंदोलनों को प्रजातंत्र और राष्ट्रवाद के विचारों से गढ़ा गया था।"	10
2316	**6(c)**	● 1800 ईस्वी से 1907 तक दक्षिण अफ्रीका में ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विकास को रेखांकित कीजिये।	5(d)	● "1867 से 1902 के मध्य दक्षिण अफ्रीका में ब्रिटिश साम्राज्यवाद काफी हद तक पूँजीवादी व्यवस्था द्वारा हीरों के खनन से प्रभावित था।"	10
2304 **2310**	**4(a)** **5(d)**	● फ्राँसीसी क्रांति में दार्शनिकों की भूमिका पर चर्चा कीजिये। ● "फ्राँसीसी क्रांति (1789) ने वास्तव में अपने लक्ष्य से बहुत कम हासिल किया।"	6(a)	● दार्शनिकों और विचारकों ने फ्रांसीसी क्रांति की नींव भले ही रखी हो, परन्तु यह सामाजिक और आर्थिक कारणों से उपजी थी। व्याख्या कीजिए।	20
2304	**6(b)**	● अपनी बौद्धिक धाराओं के आधार पर पुनर्जागरण ने यूरोप को आधुनिक युग में पहुँचा दिया।	6(c)	● ज्ञानोदय मात्र वैज्ञानिक क्रांति तक सीमित नहीं था, अपितु मानवतावाद और प्रगति के विचार भी इसके अभिन्न घटक थे। परीक्षण कीजिए।	10
2316	**5(e)**	● "औद्योगिक क्रांति के विरोधाभास इसकी गतिशीलता के लिये स्वाभाविक थे।" विश्लेषण कीजिये।	7(a)	● मध्य वर्ग की विश्व दृष्टि पर औद्योगिक क्रांति का प्रभाव एडम स्मिथ, थॉमस माल्थस और जेरेमी बेन्थम के विचारों में प्रतिबिंबित होता है। टिप्पणी कीजिए।	20
2304	**1(b)**	● वे महत्त्वपूर्ण कारक कौन-से थे जो इटली के एकीकरण का कारण बने?	7(b)	● 1848 से 1870 में रोम के कब्ज़े तक इटली के एकीकरण के विभिन्न चरणों की विवेचना कीजिए।	20
2304 **2310**	**1(e)** **5(b)**	● क्या दोनों विश्व युद्धों के लिये जर्मनी को दोषी ठहराना उचित है? परीक्षण कीजिये। ● "वर्साय की संधि एक आरोपित संधि थी।"	7(c)	● वर्साय की संधि में द्वितीय विश्व युद्ध के बीज समाहित थे। परीक्षण कीजिए।	10
2305 **2304**	**8(c)** **5(d)**	● अकबर के काल में स्थापत्य कला किस प्रकार शाहजहाँकालीन स्थापत्य कला से भिन्न थी। टिप्पणी कीजिये। ● आधुनिक विश्व में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के कारणों सूचीबद्ध कीजिये?	8(a)	● "जब द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त हुआ तब संयुक्त राष्ट्र संघ समय की आवश्यकता थी।" इसकी उपलब्धियों और कमियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।	20
2308 **2310** **2316**	**1(d)** **8(b)** **7(a)**	● "अरब राष्ट्रवाद और तेल- ये मध्य पूर्वी देशों के बाह्य विश्व के साथ संबंधों को जटिल बनाने वाले प्रमुख कारक थे।" टिप्पणी कीजिये। ● प्रथम विश्व युद्ध के बाद अरब राष्ट्रवाद के विकास को रूपांकित कीजिये। ● "अरब राष्ट्रवाद तैलीय साम्राज्यवाद का परिणाम है।" चर्चा कीजिये।	8(c)	● अरब राष्ट्रवाद मात्र एक सांस्कृतिक आंदोलन नहीं था, अपितु यह एक उपनिवेश विरोधी संघर्ष भी था टिप्पणी कीजिए।	10